Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to look into the root causes of increasing number of cancer patients in the country -laid.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (**नालंदा**): कैंसर के रोगियों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। सभी अस्पतालों में कैंसर रोगियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। यह महामारी से कम नहीं है। देश में कैंसर के इलाज के लिए वैसे ही बहुत कम संस्थान हैं। जहाँ तक अ0भा0आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली का प्रश्न है, वहाँ तो इलाज हो रहा है, किन्तु अन्य भागों में अवस्थित किसी भी एम्स में कैंसर का इलाज नहीं होता है। मात्र टाटा मेमोरियल कैंसर संस्थान एक ऐसा संस्थान है, जहाँ कैंसर का इलाज हो रहा है वह भी सिर्फ पहुँच के रोगियों के लिए, जिनके पास धन की व्यवस्था है। गरीब मरीज तो पैसे के अभाव में जीवन से हाथ धो रहे हैं। कुछ प्राईवेट कैंसर संस्थान हैं, परन्तु वहाँ की फीस और इलाज का खर्च काफी अधिक है, जो कि गरीबों के बस की बात नहीं है।

पिछले कुछ वर्षों में कैंसर के रोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। एक रिसर्च के अनुसार वर्ष 2021 तक करीब 18 लाख कैंसर के नये रोगी हो जायेंगे। सदन में सरकार कह चुकी है कि 70 से अधिक कैंसर संस्थान पूरे देश में खोले जा रहे हैं, मगर उसकी स्थिति अभी तक स्पष्ट नहीं है और जमीनी स्तर पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार को इस समस्या के जड़ में जाने की आवश्यकता है। देखना चाहिए कि कैंसर एकाएक क्यों बढ़ रहा है? इसके स्थायी उपाय पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। कैंसर में हो रही बेतहाशा वृद्धि पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए मैं सरकार से निवेदन कर रहा हूँ, ताकि समय रहते इस भयावह महामारी पर नियंत्रण पाया जा सके।